उत्तर प्रदेश के रास्ते, दिल्ली के बदरपुर–खादर पहुंची बिजली

- 6. 6 करोड रूपये की लागत से तैयार हुआ इंफ्रास्ट्रक्चर

नई दिल्लीः 10 सितंबर, 2010। तीन तरफ से उत्तर प्रदेश और एक ओर से यमुना से घिरे, पूर्वी दिल्ली के उपेक्षित बदरपुर–खादर इलाके में बिजली पहुंच गई है। बीएसईएस ने 6 करोड़ 60 लाख रूपये की लागत से, इस इलाके में बिजली का पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया है। यहां तक बिजली पहुंचाने में काफी बाधाएं आईं। उल्लेखनीय है कि यह देश का शायद अकेला ऐसा इलाका है, जहां दूसरे राज्य (उत्तर प्रदेश) की 8 किलोमीटर जमीन का उपयोग कर बिजली पहुंचाई गई है। बदरपुर–खादर के लोगों को बिजली का कनेक्शन मिलना शुरू हो गया है। ताकि इस इलाके के उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिले, इसके लिए यहां के बिजली नेटवर्क को दो अलग–अलग स्रोतों (सी ब्लॉक दयालपुर फीडर, और करावलनगर फीडर) से सप्लाई मिलेगी। यदि एक स्रोत से आपूर्ति फेल भी हो जाती है, तो दूसरे स्रोत से वहां बिजली व्यवस्था बहाल कर दी जाएगी।

बदरपुर खादर में इतने सालों के बाद भी बिजली नहीं पहुंच पाई, तो इसकी सबसे बड़ी वजह यह थी कि यह इलाका तीन तरफ से उत्तर प्रदेश से घिरा है, तो एक ओर से यमुना नदी से। यहां तक सिर्फ उत्तर प्रदेश के रास्ते ही पहुंचा जा सकता है। और, अब बीवाईपीएल ने उत्तर प्रदेश से होकर दिल्ली के इस गांव में बिजली पहुंचाने में सफलता हासिल कर ली है।

बीवाईपीएल सीईओ श्री रमेश नारायणन के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने *2012 तक सबके लिए बिजली* का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उस लक्ष्य को बीवाईपीएल ने दो साल पहले ही हासिल कर लिया। और, यह सांसद श्री जेपी अग्रवाल के सहयोग से ही संभव हो पाया है। यह श्री अग्रवाल के सहयोग का ही नतीजा है कि बीवाईपीएल किसी दूसरे राज्य से होकर अपना बिजली–नेटवर्क दिल्ली के बदरपुर खादर इलाके में ले जा पाई है और वहां के लोगों को बिजली मिली। श्री अग्रवाल ने न सिर्फ उत्तर प्रदेश के 8 किलोमीटर क्षेत्र में बीवाईपीएल का नेटवर्क बिछाने में मदद की, बल्कि बदरपुर खादर गांव में सब स्टेशन के लिए तुरंत भूमि भी उपलब्ध करवाई।

इस इलाके में बिजली पहुंचाने के लिए करीब 200 इलेक्ट्रिक पोल लगाए गए हैं और 16 किलोमीटर तारें बिछाई गई हैं। 3 लो टेंशन स्विचगेयर और 1 हाई टेंशन स्विचगेयर लगाए गए हैं। हालांकि वर्तमान में इस इलाके में बिजली का लोड उतना अधिक नहीं होगा, लेकिन भविष्य में इलाके के विस्तार को देखते हुए यहां 400 केवी का बड़ा ट्रांसफॉर्मर लगाया गया है, ताकि आने वाले दिनों में बढ़े हुए लोड को भी उठाने में यह ट्रांसफॉर्मर सक्षम हो। ताकि बदरपुर खादर गांव के लोगों को पर्याप्त और निर्बाध बिजली आपूर्ति मिले, इसे ध्यान में रखते हुए 11 केवी का एक सब स्टेशन भी वहां लगाया गया है। इसी सब स्टेशन पर बिजली को आपूर्ति योग्य वॉल्टेज में तब्दील किया जाएगा, और फिर ट्रांसफॉर्मर से होते हुए उपभोक्ताओं के घरों तक बिजली पहुंचेगी।

इस बीच, बदरपुर–खादर के उपभोक्ताओं को बिजली का कनेक्शन मिलना शुरू हो गया है। जल्द ही सांसद श्री जेपी अग्रवाल यहां के बिजली नेटवर्क को इलाके के लोगों को समर्पित करेंगे।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल व बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999415 / 9350130304